



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 197]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 31, 2004/भाद्र 9, 1926

No. 197]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 31, 2004/BHADRA 9, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 2004

विषय :—चीन जन. गण., कोरिया गणराज्य और उक्रेन के मूल की अथवा वहां से निर्यातित सिटरिक एसिड के आयातों संबंधी पाटनरोधी जांच शुरु करना।

सं. 14/12/2004-डीजीएडी.— मै0 सोलारिस बायोकेमिकल्स लि0 ने चीन जन.गण., कोरिया गणराज्य और उक्रेन के मूल की अथवा वहां से निर्यातित सिटरिक एसिड के कथित पाटन संबंधी पाटनरोधी जांच शुरु करने के लिए वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसमें इसके बाद नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसको इसमें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष आवेदन पत्र दायर किया है।

और चूंकि प्राधिकारी यह पाते हैं कि संबद्ध देश से पाटन, घरेलू उद्योग की क्षति तथा पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य विद्यमान है, इसलिए प्राधिकारी किसी कथित पाटन की विद्यमानता, मात्रा तथा प्रभाव का निर्धारण करने के लिए और पाटनरोधी शुल्क की राशि, जिसे यदि लगाया जाता है तो यह घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, की अनुशंसा करने के लिए उक्त नियमावली के नियम-5 के अनुसार कथित पाटन और इसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति की एतद्वारा जांच शुरु करते हैं।

घरेलू उद्योग:-

2. आवेदन पत्र को घरेलू उद्योग की ओर से स्ट्रेटिजिक लॉ ग्रुप के माध्यम से मै0 सोलारिस बायोकेमिकल्स लि0 द्वारा दायर किया गया है। उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार आवेदक के पास पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और 5(3) (क) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से पाटनरोधी जांच हेतु मामला दायर करने के लिए आधार है।

विचाराधीन उत्पाद:-

3. विचाराधीन उत्पाद सिटारिक एसिड (जिसे इसमें इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) है जिसका चीन जन.गण., कोरिया गणराज्य और उक्रेन (जिन्हें इसमें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में पाटन किया जा रहा है।

4. सिटारिक एसिड का प्रयोग मुख्यतः खाद्य और पेय पदार्थ, सॉफ्ट ड्रिक्स, कॉन्फेक्शनरी, औषधियों आदि में परिरक्षक के रूप में किया जाता है। सिटारिक एसिड का प्रयोग वस्त्रों की रंगाई, प्रिंटिंग उद्योग और बॉयलर की सफाई आदि जैसे कुछ अन्य औद्योगिक अनुप्रयोगों में भी किया जाता है। यह सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के अंतर्गत उप-शीर्ष सं. 2918.14 के तहत वर्गीकृत है। आवेदक ने बताया है कि संबद्ध वस्तुएं ऊपर उल्लिखित उप-शीर्षों के अंतर्गत आयात की जा रही हैं। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और यह जांच के कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

समान वस्तुएं-

5. आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं के "समान वस्तु" है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सिटारिक एसिड तथा चीन, जन.गण., कोरिया गणराज्य और उक्रेन से आयात तुलनीय, भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य तथा उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण तथा विपणन और वस्तुओं का टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं की दृष्टि से तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। इसलिए जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक द्वारा उत्पादित सिटारिक एसिड को पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित सिटारिक एसिड (जिसे इसमें इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) के समान वस्तु माना जा रहा है।

शामिल देश:-

6. वर्तान जांच में शामिल देश चीन जन.गण., कोरिया गणराज्य और उक्रेन (जिन्हें इसमें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) हैं।

सामान्य मूल्य:-

7. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने उपयुक्त समायोजनों के साथ चीन जन.गण. और उक्रेन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था मानते हुए उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर चीन

जन, गण, और उक्रेन में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य का दावा किया है। प्राधिकारी यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 और 8 के आलोक में आवेदक के दावे की जांच करने का प्रस्ताव करते हैं। प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा उपलब्ध करायी गई उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर चीन जन, गण, और उक्रेन में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य के संबंध में प्रथम दृष्ट्या विचार किया है और जांच शुरू करने के प्रयोजनार्थ इस पर प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है।

8. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर कोरिया गणराज्य में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य का दावा किया है। इस प्रकार प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा उपलब्ध करायी गई सूचना के आधार पर संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य के संबंध में प्रथम दृष्ट्या विचार किया है और जांच शुरू करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा इस पर विचार किया गया है।

निर्यात कीमत:-

9. निर्यात कीमत का दावा वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय कोलकाता से प्राप्त और गौण स्रोतों से संकलित किए गए आंकड़ों के आधार पर किया गया है। निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए कीमत समायोजनों का दावा समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, निर्यातों के देश में अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन संचालन और पत्तन प्रभारों, दलाली आदि के आधार पर किया गया है। निर्यात कीमत तथा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के लिए आवेदक द्वारा दावा किए गए समायोजनों संबंधी पर्याप्त साक्ष्य हैं।

पाटन मार्जिन:-

10. इस बात का पर्याप्त साक्ष्य है कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्ट्या यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

क्षति तथा कारणात्मक संबंध:-

11. आवेदक ने बड़े हुए पाटित आयातों की मात्रा, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, गंवाई गई बिक्रियों और घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में वास्तविक गिरावट के कारण उनके बाजार हिस्से में आयी कमी के रूप में कथित पाटन के परिणामस्वरूप हुई क्षति संबंधी साक्ष्य प्रस्तुत किया है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण संचयी तथा सामूहिक रूप से आवेदक द्वारा उठायी जा रही वास्तविक क्षति का पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य है।

जांच की अवधि:-

12. वर्तमान के प्रयोजनार्थ जांच अवधि (पीओआई) 1 अप्रैल, 2003 से 31 मार्च, 2004 तक है। तथापि, क्षति जांच अवधि में 2000-2001 से 2002-2003 तक की अवधि तथा पीओआई शामिल होंगी।

सूचना प्रस्तुत करना:-

13. संबंधित निर्यातकों तथा आयातकों और घरेलू उद्योग को अलग-अलग सूचित किया जा रहा है ताकि वे निर्धारित विधि एवं प्रवृत्ति से सभी संगत सूचनाओं को दायर कर सकें। मौजूदा जांच में भाग लेने का इच्छुक कोई अन्य पक्षकार निम्नलिखित पते पर लिख सकता है :-

निर्दिष्ट प्राधिकारी

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

भारत सरकार

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011

समय सीमा:-

14. इस जांच से संबंधित कोई सूचना प्राधिकारी को उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर भेजी जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त की गई सूचना अधूरी है तो प्राधिकारी रिकार्ड पर उपलब्ध तथ्यों के आधार पर उपर्युक्त नियम के अनुसार अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण:-

15. नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।

16. सभी हितबद्ध पक्षकार उपर्युक्त नियमावली के नियम 7(1) के अनुसार दी गयी सूचना के लिए नियम 7(2) के अनुसार गोपनीय सारांश उपलब्ध कराएंगे।

17. यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है अथवा महत्वपूर्ण ढंग से जांच में बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

अभिजित सेनगुप्त, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING & ALLIED DUTIES)****INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 27th August, 2004

Subject :—Initiation of Anti-Dumping investigations concerning imports of Citric Acid originating in or exported from China PR, Korea RP and Ukraine.

No. 14/12/2004-DGAD.— M/s. Solaris Biochemicals Ltd., has filed an application before the Designated Authority (herein after referred to as the Authority) in accordance with the customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on dumped articles and for determination of injury) Rules, 1995 (herein after referred to as Rules) for initiation of anti dumping investigation concerning alleged dumping of Citric Acid originating in or exported from China PR, Korea RP and Ukraine.

AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping of the subject country, injury to the domestic industry and causal links between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

Domestic Industry:-

2. Application has been filed by M/s. Solaris Biochemicals Ltd., through Strategic Law Group on behalf of the domestic industry. As per the evidence available applicant has the standing to file the case for anti dumping

2663 GI/04-2

investigation on behalf of domestic industry as per Rule 2(b) and Rule 5(3)(a) of Anti Dumping Rules.

Product under consideration:-

3. The product under consideration is "Citric Acid" (herein after referred to as the subject goods) which is being dumped in the Indian market by the exporters from China PR, Korea RP and Ukraine (hereinafter referred to as subject countries).

4. Citric Acid is mainly used as preservative in food and beverage, soft drinks, confectionery, drugs etc. Citric Acid is also used in textile dyeing and in printing industry and for some other industrial uses such as boiler cleaning etc. It is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 under sub-headings No 2918.14. The applicant has stated that subject goods are being imported under above mentioned sub-headings. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation.

Like articles:

5. The applicant has claimed that the goods produced by them are "like articles" to the goods originating in or exported from the subject countries. Citric Acid produced by the domestic industry and imports from China PR, Korea RP and Ukraine are comparable, technically and commercially substitutable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing, and tariff classification of the goods. Therefore, for the purpose of investigation the Citric Acid produced by the applicant is being treated as **like articles** of Citric Acid (hereinafter referred to as subject goods) imported from subject countries within the meaning of the Anti Dumping Rules.

Countries involved:

6. The country involved in the present investigation is China PR, Korea RP and Ukraine.

Normal value:

7. The Authority notes that the applicant has claimed normal value of subject goods in China PR and Ukraine based on constructed cost of

production with appropriate adjustments treating China PR and Ukraine as non-market economy. The Authority proposes to examine the claim of the applicant in the light of Para 7 and 8 of Annexure I of Anti Dumping Rules, as amended. The Authority has prima-facie considered the normal value of subject goods in China PR and Ukraine on the basis of constructed cost of production as made available by the applicant and it has been considered by the Authority for the purpose of initiation.

8. The Authority notes that the applicant has claimed normal value of subject goods in Korea RP on the basis of constructed cost of production. Thus the authority has prima facie, considered the normal value of the subject goods in subject countries on the basis of as information made available by the applicant and it has been considered by the Authority for the purpose of initiation.

Export Price:

9. The export price has been claimed on the basis of data obtained from Director General Commercial Intelligence and Statistics, Kolkata and compiled from secondary sources. Price adjustments have been claimed on account of Ocean freight, marine insurance, inland transportation in the country of exports, port handling and port charges, commissions etc to arrive at the net export price. There is sufficient evidence of export price and the adjustments claimed by the applicant for the subject goods from the subject countries

Dumping margin:

10. There is sufficient evidence that the normal value of the subject goods in the subject countries is significantly higher than the net export price indicating prima-facie that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject countries.

Injury and Causal Link :

11. The applicant has furnished evidence regarding the injury having taken place as a result of the alleged dumping in the form of fall in their market share because of increased volume of dumped imports, price undercutting, price underselling, lost sales and substantial decline in profitability for the domestic industries. There is sufficient prima-facie evidence of the material injury being suffered by the applicant caused by dumped imports collectively and cumulatively from subject countries.

Period of investigation:

12. The period of investigation for the purpose of present investigation is 1st April 2003 to 31st March 2004. The injury investigation period will however cover the periods 2000-2001 to 2002-2003 and the POI.

Submission of information:

13. The exporters and importers known to be concerned and domestic industry are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

The Designated Authority
(Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties)
Government of India
Ministry of Commerce & Industry
Department of Commerce
Udyog Bhavan, New Delhi-110011.

Time limit:

14. Any information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of publication of this notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

INSPECTION OF PUBLIC FILE:

15. In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

16. All interested parties shall provide a confidential and non-confidential summary in terms of Rule 7 (2), for the confidential information provided as per Rule 7 (1) of the Rules supra.

17. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Governments as deemed fit.

ABHIJIT SENGUPTA, Designated Authority

2663 21/5/12-3